

## मनमोह लिया मेरा सतगुरु ने

मन मोह लिया मेरा सतगुरु ने किते दिल नु होर लगावा की,  
ओहदी महिमा तक तक जी न भरे किसे होर दी महिमा गावा की,  
मन मोह लिया मेरा सतगुरु ने किते दिल नु होर लगावा की,

मेरे सतगुरु दीं दयाल बड़े ओह सुख दे मीह बरसौं दे ने,  
सुन के विनती ओह भगता दी सब आके कष्ट मिटाउँ दे ने,  
इस दर से सब कुछ मिल जांदा किते होर मैं शीश झुकावा की,  
मन मोह लिया मेरा सतगुरु ने किते दिल नु होर लगावा की,

मेरे गुरु दी किरपा जद हॉवे बज राज बहारा करदे ने,  
कन्डेया नु हटाके राहा तो खैरा नाल झोलिया भर दे ने,  
केवल एथे फुला वरसे किते झोली होर फैलावा की,  
मन मोह लिया मेरा सतगुरु ने किते दिल नु होर लगावा की,

ऐहदी मेहरा ते चर्चे था था ते हर शेह विच नूर समाया है,  
एहदे वरगा कोई होर नहीं दुखिया नु सीने लाया है  
केवल मेरी अखिया विच वसदे मैं दिल तो नाम भुलावा की,  
मन मोह लिया मेरा सतगुरु ने किते दिल नु होर लगावा की,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15319/title/man-mo-leya-mera-satguru-ne>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |